http://www.elearninginfo.in

TDC SYLLUBUS (NEP-2020)
HINDI
SECOND SEMESTER
DSC-151
Credit - 3
HINDI SAHITYA KA ITIHAS

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

उद्देश्य : प्रस्तुत पत्र के अध्ययन से हिन्दी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल की परिस्थितियों व प्रवृत्तियों के आलोक में आधुनिक काल के उद्भव और विकास का विस्तृत परिचय प्राप्त करवाना होगा।

उपलब्धि : इस पाठ्य-क्रम के अध्ययन उपरान्त विद्यार्थी भारतेन्दु-युग, द्विवेदी-युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नई कविता के परिवेश एवं उनकी प्रवृत्तियों से अवगत हो पाएंगे। प्रमुख गद्य विधाओं जैसे नाटक, निबंध, कहानी, उपन्यास एवं आलोचना इत्यादि के स्वरूप एवं विकासक्रम से परिचित हो पाएंगे।

इकाई एक : आधुनिककाल के साहित्य की पृष्ठभूमि तथा भारतेंदु युग एवं द्विवेदी युग

1.1- हिंदी साहित्य के संदर्भ में आधुनिक काल और उसके उदय की पृष्ठभूमि।

1.2 - भारतेन्दु युग : भारतेन्दु और उनका मण्डल। भारतेन्दु युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

1.3- द्विवेदी युग महावीर प्रसाद द्विवेदी और सरस्वती पत्रिका द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ द्विवेदी युग के प्रतिनिधि कवि के रूप में मैथिलीशरण गुप्त एवं अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का सामान्य परिचय।

इकाई दो : छायावाद उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद

2.1- छायावाद की पृष्ठभूमि । छायावादी काव्य के प्रमुख कवियों का सामान्य

परिचय। छायावादी काव्य की प्रवृत्तियाँ उत्तरछायावादी काव्य परिवेश और प्रवृत्तियाँ।

2.2- प्रगतिवाद की वैचारिक पृष्ठभूमि प्रमुख प्रगतिवादी कवियों का सामान्य परिचय। प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

2.3- 'तार सप्तक' और प्रयोगवाद प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई तीन : नयी कविता, साठोत्तरी कविता और समकालीन कविता :

3.1- नयी कविता का नामकरण एवं नयी कविता का आरंभ। नयी कविता काव्यधारा का विकास और उसके प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

3.2- साठोत्तरी कविता की पृष्ठभूमि साठोत्तरी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों ।

3.3- समकालीन कविता समकालीनता से अभिप्राय एवं समकालीन कविता का स्वरूप। समकालीन काव्य की मूल प्रवृत्तियाँ।

इकाई चार : हिंदी कहानी, उपन्यास तथा हिंदी गद्य की अन्य विधाओं का उद्भव और विकास

4.1 - हिंदी कहानी के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय ।

4.2 - हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय ।

4.3 - हिंदी गद्य की अन्य प्रमुख विधाओं (जीवनी साहित्य, आत्मकथा, संस्मरण और रेखाचित्र आदि)के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय।

इकाई पाँच : हिंदी नाटक, निबंध और आलोचना का उद्भव और विकास

5.1- हिंदी नाटक के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय |

5.2- हिंदी निबंध के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय |

5.3 - हिंदी आलोचना के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम

उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।

4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : DSC – 151 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचंद्र शुभ नागरी प्रचारणी सभ काशी।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास मयूर पेपर बैस, ए-05. सैक्टर-5, नौएडा -1
3. हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह,राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. बीसवी शताब्दी का हिंदी साहित्य विजय मोहन सि राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ डॉ० नामवर सिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
8. समकालीन कविता की प्रवृत्तियों डॉ० रामकली सरा, विश्वविद्यालय प्रकाशन वारणसी।
9. आधुनिकतावाद दुर्गा प्रसाद गुप्ता, अनंग प्रकाशन, उत्तरी पोण्डा दिल्ली-13
10. छायावाद डॉ० नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
11. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य प्रेमशंकर वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. प्रगतिवादी आंदोलन का इतिहास : कॉ० कर्णसिंह चौहान प्रकाशन संस्थान दरियागंज, नई दिल्ली।

13. प्रगतिशील कविता कल और आज डॉ० रतन कुमार विश्वविद्यालय प्रकाशन
14 प्रयोगवाद नई कविता और नवीन मोहम्मद इम्तियाज श्री. अनंग प्रकाशन, उत्तरी पोण्डा, दिल्ली
15. नई कविता, डॉ० देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
16 नयी कविता की चिंतन भूमि - उषा चौहान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. नयी कविता और अस्तित्ववाद, डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन न दिल्ली।
18. साठोत्तरी कविता में जनवादी चेतना, नरेन्द्र सिंह वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
19. साहित्य और विचारधारा, ओमप्रकाश ग्रेवाल, आधार प्रकाशन प्रा. लि. पंचकूला, हरियाणा
20. भारतीय स्वच्छंदतावाद और छायावाद प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
21. आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष रतन कुमार पाण्डेय विश्वविद्यालय प्रकाशन वारणसी।
22. साहित्य और विचारधारा ओमप्रकाश ग्रेवाल, आधार प्रकाशन प्रा. लि. पंचकूला, हरियाणा
23. समकालीन हिंदी कविता विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन नईदिल्ली।
24. कविता और संवेदना विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन विदिशा म०प्र०
25. समकालीन काव्य यात्रा नन्दकिशोर नवल किताबघर नवी दिल्ली।
26. कविता में समकाल रेवतीरमण, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म०प्र०
27. समकालीन लेखन में यथार्थवाद और जनवाद आनंद प्रकाश(स) लोकमित्र प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली।
28. समकालीन कविता प्रश्न और जिज्ञासाएँ आनंद प्रकाश (स). लोकमित्र प्रकाशन शाहदरा, दिल्ली।